फोन न0 0612–2219545 (का0)
फैक्स न0–0612–2218900
Email : dampatnaarmssection@gmail.com
dm-patna.bih@nic.in

समाहरणालय, पटना।

(शस्त्र शाखा)

–: आदेश :–

श्री तनवीर आलम, पिता–मो0 कसीमउद्दीन, सा0–राजापुर, मैनपुरा, मस्जिद गली, थाना–पाटलिपुत्रा, जिला–पटना से प्राप्त एक एन0पी0बोर पिस्टल शस्त्र अनुज्ञप्ति आवेदन–पत्र पर शस्त्र अनुज्ञप्ति वाद संख्या–09–509/2010 कायम करते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना से जाँच/सत्यापन प्रतिवेदन की माँग की गई।

वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना के पत्रांक–30/गो0, दिनांक–07.01.2011 द्वारा जाँचोपरान्त आवेदक के शस्त्र अनुज्ञप्ति आवेदन पत्र को बिना अनुशंसा के मूल में आवश्यक कार्रवाई हेतु भेजा गया है। पुलिस उपाधीक्षक, विधि–व्यवस्था, पटना द्वारा थानाध्यक्ष, पाटलीपुत्रा के जाँच प्रतिवेदन के आलोक में आवेदक को शस्त्र अनुज्ञप्ति निर्गत करने की अनुशंसा नहीं की गई है। थानाध्यक्ष, पाटलिपुत्रा द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि आवेदक ठीकेदारी एवं व्यवसाय कार्य करते है, इन्हें व्यवसाय के क्रम में पैसा ले जाने के दौरान असुरक्षा एवं भय व्याप्त रहती है। आवेदक के जान–माल के सुरक्षार्थ शस्त्र अनुज्ञप्ति निर्गत करने हेतु अनुरोध किया गया है, लेकिन आवेदक को विशेष सुरक्षा भय होने के संबंध में 'नहीं' प्रतिवेदित किया गया है। थानाध्यक्ष द्वारा जाँच प्रतिवेदन की कंडिका–10 के सभी बिन्दुओं पर 'नहीं' प्रतिवेदित करने के बावजूद आवेदक को शस्त्र अनुज्ञप्ति निर्गत करने की अनुशंसा की गयी है, लेकिन इसके लिए कोई कारण नहीं बताया गया है।

अभिलेख पर संधारित कागजातों का सूक्ष्मतापूर्वक परिशीलन किया गया। शस्त्र अधिनियम 1959 की धारा 13 (2) के तहत प्राप्त पुलिस प्रतिवेदन, आवेदक के आवेदन एवं अभिलेख पर संधारित कागजातों के सूक्ष्मता पूर्वक अवलोकन के पश्चात अधोहस्ताक्षरी इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि आवेदक को सुरक्षा के बिन्दु पर कोई विशेष सुरक्षा भय/खतरा नहीं है तथा उन्हें एक एन0पी0बोर पिस्टल हेतु शस्त्र अनुज्ञप्ति निर्गत किए जाने का कोई यथेष्ट कारण नहीं है।

शस्त्र अधिनियम 1959 की धारा 13, शस्त्र नियम 1962 में निहित शक्तियों एवं वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना से प्राप्त प्रतिवेदन के आलोक में सम्यक विचारोपरान्त आवेदक श्री तनवीर आलम, पिता–मो0 कसीमउद्दीन, सा0–राजापुर, मैनपुरा, मस्जिद गली, थाना–पाटलिपुत्रा, जिला–पटना के आवेदित एक एन0पी0बोर पिस्टल अनुज्ञप्ति आवेदन–पत्र को **अस्वीकृत** किया जाता है।

वाद की कार्रवाई समाप्त की जाती है।

लेखापित एवं संशोधित।

जिला दण्डाधिकारी,
पटना।

जिला दण्डाधिकारी,
पटना।